नारी शक्ति अधिनियम से नीति निर्माण में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ेगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं को अधिनियम पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित किया

जयपुर, 12 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए संसद में ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'पारित होने के बाद दोनों सदनों में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश व प्रदेश की मातृशक्ति को लाभान्वित किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर "नारी शक्ति वंदन" अधिनियम पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं को संबोधित किया।

- मुख्यमंत्री निवास पर रविवार को आयोजित कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग, मुख्यमंत्री कार्यालय, फिक्की, सीआईआई, उद्योग, शिक्षा, मीडिया, पुलिस, मेडिकल, सामाजिक कार्यकर्ता, सोशल मीडिया इन्फ्युएंसर सहित विभिन्न सैक्टर्स से जुड़ी महिलाओं ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं को नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने पर नीति निर्माण में महिला नेतृत्व की हिस्सेदारी बढ़ेगी, जिससे विकसित भारत 2047 की यात्रा में महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित होगी। उन्होंने अधिनियम को लेकर मातृशक्ति से समाज में जनजागृति फैलाने में सक्रिय भूमिकानिभाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि राज्य में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन कर प्रभावी संचालन किया जा रहा है। प्रदेश में मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना से महिला उद्यमियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत, पांच रुपये प्रति लीटर अनुदान से महिलाएं सशक्त बन रही हैं। कार्यक्रम में महिलाओं को केन्द्र एवं राज्य सरकार की ओर से महिला सशक्तीकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, मुख्यमंत्री कार्यालय, फिक्की, सीआईआई, उद्योग, शिक्षा, मीडिया, पुलिस, मेडिकल, सामाजिक कार्यकर्ता, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सहित, विभिन्न सेक्टर्स से जुड़ी महिलाएं उपस्थित रही।

पाकिस्तानी सेना ने बलोचिस्तान के नुश्की शहर की घेराबंदी की

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने अशांत प्रांत बलोचिस्तान के नुश्की को चारों ओर से घेर लिया है। आसमान पर सेना के विमान मंडरा रहे हैं। सुरक्षाबलों ने नुश्की जिले की सारी सीमाओं पर नाकाबंदी कर आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। चोरी-छुपे शहर से बाहर निकलने की कोशिश करने वालों पर गोलियां बरसाई जा रही हैं। प्रांत के मुस्तांग में सशस्त्र हमले में पाकिस्तान सेना के अनेक जवानों के मारे जाने और कइयों के घायल होने की सूचना है।

- बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने मुस्तांग क्षेत्र में पाकिस्तान सेना के कई जवानों को मार गिराया

'द बलोचिस्तान' पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने नुश्की शहर के प्रवेश और निकास द्वारों पर भारी घेराबंदी कर दी है। बाजार पूरी तरह बंद है। प्रवेश द्वारों को अवरुद्ध करके किसी को भी अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को करौली के कटकड़ गांव में पूर्व विधायक लाखन सिंह के पुत्र तरूण सिंह के प्रीतिभोज कार्यक्रम में शिरकत की।

सचिन पालयट ने करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह के पुत्र की शादी समारोह में शिरकत की

पायलट के पहुँचने पर आतिशबाजी और शहनाई वादन के साथ उनका भव्य स्वागत-सत्कार हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

करौली, 12 अप्रैल। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को करौली के कटकड गांव में पूर्व विधायक लाखन सिंह के पुत्र तरूण सिंह के प्रीतिभोज कार्यक्रम (माढा) में शिरकत की। पायलट के पहुंचने पर पूर्व विधायक ने आतिशबाजी की और शहनाई वादन से अगवानी की। लाखन सिंह के पुत्र का विवाह 26 अप्रैल को होगा। सचिन पायलट ने तरूण को विवाह की शुभकामनाएं दी और आशीर्वाद दिया। इस विवाह समारोह में खास बात यह रही कि, ग्रामीण परंपरा के अनुसार गायक कलाकारों ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और भाजपा सरकार पर देसी गीतों के माध्यम से जमकर कटाक्ष सुनाए।

- करौली से वापस जयपुर लौटते समय पायलट का काफिला जब लालसोट से गुजरा तो हजारों समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

करौली से वापस जयपुर लौटते समय, सचिन पायलट का काफिला जब लालसोट इलाके से गुजरा तो उनके स्वागत के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भारी लवाजमा उमड़ पड़ा। पायलट का काफिला यहां से गुजरते ही सियासी शक्ति प्रदर्शन में तब्दील हो गया। लालसोट सीमा पर पीसीसी सदस्य कमल मीणा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता जुटे और जगह-जगह भव्य स्वागत द्वार बनाकर पायलट का जोरदार अभिनंदन किया। युवा कार्यकर्ताओं में सबसे ज्यादा जोश नजर आया। इस दौरान एडवोकेट सुदीप मिश्रा, श्यामसुन्दर मिश्रा, पूर्व प्रधान नाथूलाल मीणा, पूर्व सरपंच दीपक पटेल, रामविलास खेमावास, हेमराज सरपंच, भव्या व्यास सहित, सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व विधायक लाखन सिंह के पुत्र के प्रीतिभोज कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, करौली धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, विधायक इंदिरा मीणा, रोहित बोहरा, संजय जाटव, अनीता जाटव, घनश्याम मेहर व कई कांग्रेसी नेता भी पहुंचे।

इनके अलावा भाजपा सपोटरा विधायक हंसराज मीणा, महुआ से भाजपा विधायक राजेंद्र मीणा, कांग्रेस जिला कांग्रेस कमेटी व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

एआई वीडियो के नाम पर हिन्दुओं व मुस्लमानों को भ्रमित किया जा रहा है- ममता बनर्जी

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का वीडियो है, वह उसकी सत्यता स्वीकार कर रहा है

बांकुड़ा, 12 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वीडियो विवाद ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को बांकुड़ा के ओंदा में आयोजित चुनावी सभा में बिना नाम लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि 2026 के विधानसभा चुनाव में संभावित हार को देखते हुए तृणमूल कांग्रेस ने एआई की मदद से फर्जी वीडियो तैयार किया है। इस आरोप पर पलटवार करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि जिस व्यक्ति का वीडियो बताया जा रहा है, वह खुद उसकी सत्यता स्वीकार कर रहा है, जबकि कुछ लोग उसे एआई से बना बता रहे हैं।

- प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनाव सभा में आरोप लगाया था कि विधानसभा चुनाव में संभावित हार को देखते हुए तृणमूल कांग्रेस ने एआई की मदद से फर्ज़ी वीडियो बनाया है।

हालांकि, उन्होंने सीधे नाम नहीं लिया, लेकिन यह विवाद हुमायूं कबीर से जुड़े वीडियो को लेकर है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मुस्लिम मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बड़े स्तर पर साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ हिंदुओं को और दूसरी तरफ मुसलमानों को भ्रमित किया जा रहा है।

वास्तव में यह विवाद पिछले गुरुवार से शुरू हुआ, जब तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर और भाजपा के बीच कथित 'गुप्त समझौते' का आरोप लगाते हुए 19 मिनट का एक वीडियो जारी किया। पार्टी का दावा था कि वीडियो में कबीर भाजपा से 1000 करोड़ रुपये की मांग करते दिखाई दे रहे हैं, जिसमें से 200 करोड़ रुपये तत्काल देने की बात कही गई है और बदले में राज्य में भाजपा सरकार को समर्थन देने का आश्वासन दिया गया है।

भाजपा ने शिवराज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंतिम फैसला लिया जाएगा।

भाजपा ने रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी ने उनके अनुभव और सबको साथ लेकर चलने की क्षमता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वे जल्द ही पटना पहुंच कर भाजपा विधायक दल की अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री आवास पर आज भाजपा और जनता दल यूनाइटेड के विधायकों की बैठक बुलाई गई है।

- बिहार के नये मुख्यमंत्री के चयन के संदर्भ में शिवराज सिंह भाजपा विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

उल्लेखनीय है कि जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली है, जिसके बाद वे सोमवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

अमरनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जाएगी। तीर्थयात्रा दो मार्गों से शुरू होगी, जिसमें पहला अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और दूसरा गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर छोटा, लेकिन तीव्र बालटाल मार्ग है।

स्ट्रेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता है। यह कदम इस क्षेत्र के अमेरिका के कुछ सहयोगी देशों को भी नुकसान पहुंचाएगा।

लेकिन ईरान को फिर से बातचीत की मेज पर लाने के लिए यह एक छोटी कीमत हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो ईरान पहले की तुलना में ज्यादा दबाव में होगा।

पटना-पुणे एक्सप्रेस से 167 मुस्लिम बच्चे रैस्क्यू किये

मानव तस्करी की खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने कटनी रेलवे स्टेशन पर कार्यवाही की

कटनी, 12 अप्रैल। बिहार से महाराष्ट्र जा रही पटना-पुणे एक्सप्रेस से शनिवार देर रात 167 मुस्लिम बच्चों को मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन पर रेस्क्यू किया गया। खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई के बाद मानव तस्करी की आशंका जताई जा रही है। बाल कल्याण समिति और रेल पुलिस ने बच्चों को बाल सुरक्षा गृह में ठहराया है और मामले की जांच कर रही है।

दरअसल, शनिवार देर रात को महिला बाल विकास विभाग और आरपीएफ को एक सामाजिक संगठन से सूचना मिली कि पटना-पुणे ट्रेन से बड़ी संख्या में 7 से 15 वर्ष तक के बच्चों को महाराष्ट्र ले जाया रहा है और मानव तस्करी की आशंका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपीएफ, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बाल सुरक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्रेन के कटनी स्टेशन पहुंचते ही, सभी बच्चों को ट्रेन से नीचे उतारकर अपनी निगरानी में लिया। ट्रेन से 167 बच्चे उतारे गए और उनकी काउंसलिंग की गई।

- बच्चों के साथ मौजूद सद्दाम नामक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वह 100 बच्चों को बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर मदरसे में ले जा रहा था। उसने कहा कि वह 10 वर्ष से बच्चे लातूर ले जा रहा है।

आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चों के साथ मौजूद सद्दाम नामक व्यक्ति ने बताया कि वह इन बच्चों को बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर स्थित मदरसे ले जा रहा था। उसके साथ 100 बच्चों का ग्रुप है, जबकि बाकी बच्चों को अन्य लोग लेकर जा रहे थे। खुद को लातूर मदरसे का शिक्षक बताने वाले सद्दाम का दावा है कि वह 10 साल से बच्चों को वहां ले जा रहा है तथा उसके मदरसे में हर विषय की शिक्षा दी जाती है। प्रशासन मामले की सच्चाई और कानूनी दस्तावेजों की जांच कर रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि 80 बच्चों को जबलपुर के बाल गृह और बाकी को कटनी के बाल गृह में रखा गया है। बच्चों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

फर्ज़ी दस्तावेज अपलोड करने वाला अस्पताल संचालक गिरफ्तार

जयपुर, 12 अप्रैल। मानसरोवर थाना पुलिस ने जालसाजी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक निजी अस्पताल संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी मरीजों के दस्तावेजों में काट-छांट कर, उन्हें आरजीएचएस (राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) की साइट पर अपलोड करता था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

थानाधिकारी लखन सिंह खटाना ने बताया कि, गिरफ्तार आरोपी डॉ. सोमदेव बंसल (45) पुत्र जगदीश बंसल निवासी समराथल, धौलपुर है, जो वर्तमान में श्याम नगर में रहकर मानसरोवर स्थित निविक हॉस्पिटल का संचालन करता है।

पुलिस के अनुसार सितंबर 2025 में एडवोकेट जितेंद्र शर्मा ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही से उनकी मां की मौत का आरोप लगाया था। इस मामले में कार्रवाई नहीं होने पर वकीलों ने हाईकोर्ट रोड जाम कर प्रदर्शन भी किया था।

प्रसिद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे ज्यादा स्टूडियो रिकॉर्डिंग करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता देते हुए गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उनका नाम दर्ज किया गया। वर्ष 2021 में उन्हें महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अलावा, उन्हें आईआईएफए, बीएफजेए और कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया और डॉक्टरेट की तीन मानद उपाधियां प्रदान की गयीं।

होर्मुज़ पर टोल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और रोकने की प्रक्रिया शुरू करेगी और टोल देकर होर्मुज़ से गुजरने वाले जहाजों को भी अमेरिकी नौसेना रोकेगी। उनका कहना है कि जब तक पूरी तरह भरोसेमंद स्थिति नहीं बनती, तब तक यह कदम जारी रहेगा।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान यह कहकर अस्थिरता पैदा कर रहा है कि समुद्री रास्तों में कहीं बारूदी सुरंगें (माइन) हो सकती हैं, जिससे जहाज मालिक जोखिम लेने से डर रहे हैं। उनके अनुसार, इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने इस स्थिति को वैश्विक दबाव और ब्लैकमेलबताया और कहा कि कोई भी देश, खासकर अमेरिका, इस तरह के दबाव में नहीं आएगा। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश इस पूरे मामले पर सख्त नजर रख रहे हैं और जरूरत पड़ने पर आगे कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदन में उपस्थित रहने और संसद की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सूत्रों के अनुसार, यह विशेष संसद सत्र महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बुलाया गया है।

सरकार का लक्ष्य इस ऐतिहासिक विधेयक पर व्यापक बहस और आगे की प्रक्रिया को तेज करना है।

इस्लामाबाद वार्ता फेल होने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करना और होर्मुज़ स्ट्रेट पर उसके नए अधिकारों को मान्यता देना शामिल था।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने 21 घंटे चली बातचीत के बाद कहा कि ईरान ने अमेरिका के अंतिम प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया, इसलिए कोई समझौता नहीं हो सका। उन्होंने आगे की बातचीत या भविष्य की योजना के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

अमेरिका चाहता था कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर प्रतिबद्धता दिखाए और होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोल दे, वहीं ईरान का मानना था कि हाल की स्थिति के बाद वह अब ज्यादा मजबूत स्थिति में है और बेहतर शर्तों पर समझौता कर सकता है।

अब ईरान के पास होर्मुज़ स्ट्रेट को लेकर बातचीत में मजबूत स्थिति है, जो पहले नहीं थी। वह अब खुद को ज्यादा ताकतवर मान रहा है और अंतरराष्ट्रीय मान्यता पाने की कोशिश कर रहा है, जो युद्ध में पहले नहीं थी। पहले वह जहाजों से शुल्क नहीं ले सकता था, लेकिन अब वह ऐसा कर रहा है।

पहले समझौते, जेसीपीओए, के बाद, जो बराक ओबामा के समय हुआ था, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर मजबूत पकड़ थी। लेकिन ट्रम्प ने दूसरी बार सत्ता में आने के बाद इस समझौते को खत्म कर दिया।

इस समझौते के तहत ईरान ने यूरेनियम संवर्धन को 3.6 प्रतिशत तक सीमित रखने पर सहमति दी थी, जो उसके शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के लिए पर्याप्त था। जेसीपीओए समझौता खत्म होने के बाद, अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय बहुत कमजोर स्थिति में आ गए और ईरान अब इस सीमा (3.6 प्रतिशत) का पालन करने के लिए बाध्य नहीं रहा।

ट्रंप के इस फैसले ने ईरान को अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया। अब वैंस की टीम इसे फिर से बदलने की कोशिश कर रही थी, जबकि ईरान बेहतर सौदा हासिल करना चाहता है।

वार्ता के इन मुख्य मुद्दों के अलावा, दो और विषय भी महत्वपूर्ण थे-ईरान की यह मांग कि उसे सैन्य हमलावरों से हर्जाना मिले, और उसके सहयोगियों, जैसे लेबनान में हिज़बुल्लाह तथा इराक के शिया समूहों को सुरक्षा मिले।

असल में, अमेरिका पहले ही लेबनान में हमले रोकने की ईरानी मांग मान चुका था। उसने इज़रायल को लेबनान में हमले रोकने का आदेश दिया, जिसे मानने के अलावा उसके पास अन्य कोई विकल्प नहीं था।

अब सवाल यह है कि आगे क्या होगा। क्या दो हफ्ते के युद्धविराम के बाद अमेरिका-इज़रायल फिर से ईरान पर हमला शुरू करेंगे? अगर अमेरिका थक चुका है और सैन्य कार्रवाई से दूर रहता है, तो यह भी ईरान के लिए बड़ी जीत होगी। ईरान से बातचीत करने के लिए तैयार होकर, अमेरिका पहले ही एक बड़ी राजनीतिक जीत उसे दे चुका है। उसने उस सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता दे दी, जिसे हटाने की बात वह पहले कर रहा था। कुछ नेताओं को हटाने के बावजूद, ईरान की सरकार अभी भी वही बनी हुई है, भले ही पहले से ज्यादा मजबूत नहीं दिख रही हो।

पूरी शांति वार्ता के दौरान, अमेरिका ने आँख बंद करके अपने सहयोगी पाकिस्तान के साथ कदम मिलाया, लेकिन ईरान पहले से तैयार था। अंत में, अमेरिका को उसी पुरानी सभ्यता वाले देश के सामने झुकना पड़ा, जिसे ट्रम्प पूरी तरह खत्म करने की बात कर रहे थे। आगे इसके परिणाम जरूर देखने को मिलेंगे। इस्लामाबाद वार्ता से एक साफ सबक मिलता है-अगर तैयारी पूरी न हो, तो नतीजे खराब ही होते हैं। एस जयशंकर शायद इस रविवार की शाम आराम से बैठे यह सब देख रहे होंगे।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरानी डेलीगेशन का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। उन्होंने कहा अमेरिका ने हमारे तर्क और सिद्धांतों को समझ लिया है और अब उसके लिए यह तय करने का समय आ गया है कि वह हमारा भरोसा जीत सकता है या नहीं?

ईरानी संसद के स्पीकर बाघर ग़ालिबफ़ ने एक्स पर लिखा, हम हर माध्यम को सैन्य संघर्ष के साथ-साथ ईरानी राष्ट्र के अधिकारों की रक्षा हेतु अधिकार-आधारित कूटनीति को एक और तरीका मानते हैं।

उदयपुर में 10 करोड़ रूपए की गांजे की अवैध खेती पकड़ी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर से सटे देलवाडा क्षेत्र में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और एनसीबी की संयुक्त कार्रवाई में करीब दस करोड़ रुपए की गांजे की अवैध खेती का पर्दाफाश हुआ है। इस कार्रवाई को "ऑपरेशन गांजाजुली" नाम दिया गया, जिसमें पुलिस ने 5860 गांजे के पौधे बरामद किए हैं। यह कार्रवाई देलवाड़ा कैलाशपुरी रोड स्थित एक नामी पांच सितारा होटल के पास पहाड़ी क्षेत्र में की गई।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि, करीब छह बीघा निजी जमीन पर बड़े पैमाने पर गांजा उगाया जा रहा है। टीम ने मौके पर दबिश देकर पूरी फसल नष्ट कर दी। तस्करों ने चालाकी से गांजे की फसल को गेहूं के बीच उगाया था, ताकि किसी को शक न हो। खेत की बनावट ऐसी थी कि, यह ड्रोन से भी आसानी से नजर नहीं आता था। फसल की कटाई के बाद ही इसका खुलासा हुआ।

कोलकाता का "भद्रलोक" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ हिस्सों में भी कुछ असंतोष देखा जा रहा है।

उनकी चिंताएँ ऐसे कई मुद्दों को लेकर हैं, जो राज्य में राजनीतिक बहस का हिस्सा रहे हैं, जैसे शिक्षा भर्ती घोटाला, राजनीतिक अभियानों में भ्रष्टाचार के आरोप, और निर्माण कार्य एवं स्थानीय ठेकेदारी में शामिल कथित सिन्डिकेट नेटवर्क की गतिविधियाँ। भद्रलोक समुदाय के बहुत से लोगों के लिए, इन विवादों ने वर्तमान प्रशासन के प्रति असंतोष पैदा किया है।

मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) ने एक और विवाद जोड़ दिया है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि इस प्रक्रिया में हटाए गए नाम स्लम निवासियों या अल्पसंख्यक समुदायों पर असमान प्रभाव डालते हैं, जबकि अन्य लोग इसे अवैध घुसपैठियों, जैसे रेलवे कॉलोनियों या पुराने शरणार्थी इलाकों में रहने वाले बांग्लादेशियों, को लक्षित करने वाला मानते हैं।

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता अरिंदम सिल ने कहा, "हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन अचानक इतनी बड़ी संख्या में नाम हटने को लेकर चिंतित हैं। बंगाली संस्कृति का क्षरण एक गलत धारणा है क्योंकि अभी भी अच्छी फिल्में बनाई जा रही हैं। टैगोर के गीत, नृत्य और पुस्तक मेले अभी भी होते हैं। लेकिन हटाए गए मतदाता को न्यायाधिकरण से सुनवाई नहीं मिल सकती। यह असंभव है।"

चित्रकार और प्रसिद्ध कलाकार समीर एच ने असहमति जताई और कहा "आरजी कर और संदेशखाली घटनाओं के बाद बंगाली संस्कृति पूरी तरह से क्षीण हो गई है। मैं किसी विशेष पार्टी का समर्थक नहीं हूँ, लेकिन एक रचनात्मक व्यक्ति के रूप में, मुझे लगता है कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल ने अपना सांस्कृतिक गौरव खो दिया। वोट बैंक राजनीति बंद होनी चाहिए। एस आई आर अच्छा विचार है।"

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी नज़रुल इस्लाम ने भी कहा, एस आई आर लागू करना एक अच्छा निर्णय था और राज्य में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने राज्य के विकास मॉडल को "नष्ट" कर दिया है।

बनर्जी और तृणमूल ने तर्क दिया कि कई असली मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं और यह कार्य केवल अल्पसंख्यक समुदायों को प्रभावित नहीं करता, बल्कि एक महत्वपूर्ण संख्या में हिंदू मतदाताओं को भी प्रभावित करता है।

ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि अनेक अकादमिक शिक्षक, प्रोफेसर, कॉलेज छात्र और सरकारी कर्मचारियों को उनके नाम मतदाता सूची में नहीं मिले हैं। बहुत से लोगों के लिए रिकॉर्ड सुधारने और नाम दोबारा दर्ज कराने की प्रक्रिया जटिल साबित हुई। एस आई आर सत्यापन प्रक्रिया में कई फॉर्म भरना और पूछताछ के लिए उपस्थित होना आवश्यक है, जिसे कई नागरिक कठिन और तनावपूर्ण मानते हैं।

भाजपा ने इस आलोचना का मुकाबला किया और कहा कि मतदाता सूची संशोधन कई अन्य राज्यों में भी हुआ है, जैसे केरल, असम और तमिलनाडु, लेकिन बिना किसी राजनीतिक संकट के। पार्टी का कहना है कि पश्चिम बंगाल में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से तृणमूल द्वारा भडकाए गए हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908